डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA

मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
Minister
Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

संदेश

महात्मा गांधी ने एक बार कहा था की *"स्वयं को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप दूसरों की सेवा में स्वयं को खो दें।"* उनके इस कथन से मैं काफी सहमत हूँ क्यूंकि दूसरों की मदद करने की प्रक्रिया में हम स्वयं के बारे में काफ़ी कुछ सीख सकते हैं।

स्वयंसेवा अपने आस-पास के लोगों में बदलाव लाने का सबसे बड़ा चुनौतीपूर्ण और सुकून देने वाला कार्य है। यह कार्य समाज के प्रति योगदान देने और उससे अपना सामाजिक कौशल बढ़ाने व मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने की राह है। रेड क्रॉस स्वयंसेवा सांस्कृतिक विवधताओं के बढ़ते प्रभावों के बीच सहायता करने का एक पुण्य कार्य कर रही है।

चाहे वह रक्त संग्रह अभियान हो, आपदा राहत कार्य हो, या सिर्फ समाज तक पहुँचने का कार्य, रेड क्रॉस के स्वयंसेवक और कर्मचारी न केवल समाज की तत्काल जरूरतों को पूरा करने में एक अनुकरणीय काम कर रहे हैं बल्कि लंबी अवधि की सहायता हेतु तैयारी करने और योजना बनाने में भी मदद करते हैं।

हर वर्ष 8 मई को, पूरा विश्व रेड क्रॉस के संस्थापक और प्रथम नोबेल शांति पुरस्कार विजेता जीन हेनरी डुनांट की जयंती को 'विश्व रेड क्रॉस दिवस' के रूप में मनाता है। हर वर्ष, इस दिन को मनाने के लिए एक थीम को चुना जाता है और उस विषय को लेकर ही पूरे विश्व में ढेर सारे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस वर्ष का थीम है - Everything **we do comes #FromTheHeart.** इस विषय का मुख्य उद्देश्य रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों और समाज के प्रति किए गये उनके योगदान को प्रदर्शित करना है। कोई भी अभियान तक तब सफल नहीं हो सकता जब तक स्वयं सेवक

जारी-/

कार्यालय: 348, ए-स्कंध, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011 • **Office:** 348, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi - 110011
Tele.: (O): +91-11-23061661, 23063513 • **Telefax** : 23062358 • E-mail : india-hfm@gov.in

किसी एक लक्ष्य को लेकर लगन से कार्य ना कर रहे हों लेकिन रेड क्रॉस पूरी लगन और परिश्रम से कार्य कर रहा है।

मुझे रेड क्रॉस के सदस्यों, स्वयंसेवकों एवं कर्मचारियों से मिलने का अवसर मिला था। कुछ रेड क्रॉस संस्थाओं के मेरे दौरे के अवसर पर, मुझे वहाँ के कर्मचारियों से बात करने का मौक़ा भी मिला था। रेड क्रॉस को मानवीय कार्यों हेतु और अधिक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को जोड़ना चाहिए।

ज़मीनी स्तर पर जाकर किसी व्यक्ति की मदद करके उसे ऊपर उठाना, इससे बेहतर हमारे दिल के लिए कोई दवा नहीं है। मैं अधिक से अधिक युवाओं को स्वेच्छा से इस कार्य से जुड़े और समाज में एक बदलाव लाने के लिए आग्रह करता हूँ। दुनिया के सबसे बड़े मानवता हेतु कार्य के नेटवर्क का भाग होने के कारण, मैं देश में रेड क्रॉस के सभी साथियों से आग्रह करता हूँ की वो ज़रूरतमंदों और वंचितों की मदद करें।

मैं रेड क्रॉस के सभी स्वयंसेवकों और सदस्यों को 'विश्व रेड क्रॉस दिवस' पर शुभकामनाएं देता हूँ।

(डॉ. मनसुख मांडविया)